Answer no-6

पम्प के कार्य :→

पम्प में अन्तर्नोदक के केन्द्र पर द्रव प्रवेश करता है और इस प्रवेश को नेत्र कहते हैं। इसलिये इसी स्थान पर चूषण पाइप लगा रहता है। शंखावर्त आवरण के निकास पर प्रदाय पाइप लगा होता है और यहीं से द्रव बाहर निकलता है। चलाने से पहले इस पम्प में से हवा को बाहर निकालना आवश्यक है इसलिये पम्प में पिन्हान (Priming) की जाती है। अतः पम्प के चूषण पाइप तथा आवरण आदि में द्रव भरा जाता है। इस प्रकार यह पम्प एक प्रतिवर्तित या रिवर्स्ड प्रतिक्रिया टरबाइन (Reversed Reaction turbine) की भांति द्रव से भरकर क्रिया करता है।